सामाजिक समस्याओं को जड़ से समझने की जरूरत : प्रो. हवा सिंह

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग और नेशनल एसोसिएशन आफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12 वीं इंडियन सोशल वर्क कान्फ्रेंस 2024 के दूसरे दिन शुक्रवार को विशेषज्ञों ने शिरकत की। विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण व अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार और इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विचार मंथन किया।

विशिष्ट वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. हवा सिंह ने कहा कि समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की जरूरत है। वर्तमान भौतिकवादी दौर में दुनिया पैसे के पीछे भाग रही है, लेकिन हमें पैसे के बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। विशिष्ट वक्ता इशिता सिंह राजपूत ने साइंस, टेक्नालाजी, इंजीनियरिंग एंड गणित

विशिष्ट वक्ता प्रो. हवा सिंह कांफ्रेंस में विचार व्यक्त करते हुए ● सौ. विश्वविद्यालय

में महिला शिक्षकों की कम संख्या पर चिंता जाहिर की और इस संख्या को बढ़ाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय से डा. पुनीता गुप्ता ने सस्टेनेबल एम्पावरमेंट एंड वेलबींग आफ वूमेन विषय पर अपने विचार साझा किए। इस मौके पर प्रो. आरती जगन्नाथन प्रो. मोनिका मुंजाल सिंह, प्रो. केशव वाल्के, प्रो. एन जनार्दन, सुनील वात्सायन, डा. पायल चमत्कार ने भी विचार व्यक्त किए।

सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता : प्रो. हवा सिंह

गोहाना, 25 अक्तूबर (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कांफ्रेंस 2024 के दूसरे दिन देशभर से आए समाज कार्य के विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण और अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार तथा इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विचार मंथन किया। शुक्रवार को सम्मेलन में बतौर विशिष्ट वक्ता, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव एवं समाजसेवी प्रो. हवा सिंह ने शिरकत की। उन्होंने अपने प्रभावशाली संबोधन में समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आह्वान किया कि स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था बनाने के लिए एक मां का शिक्षित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिंदुस्तान टाइम्स की वरिष्ठ संवाददाता इशिता सिंह राजपूत ,दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय से डॉ. पुनिता गुप्ता ने सस्टेनेबल एंपावरमेंट एंड वेलबींग ऑफ वीमेन विषय पर अपने विचार साझा किए। एनएपीएसडब्लयूआई के अध्यक्ष प्रो. आरपी द्विवेदी, एवं प्रो. संजय भट्ट ने सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहनलाल, लूसी सहित प्रतिभागी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वक्ताओं को सम्मानित करते हुए आयोजक गण।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
26-Oct-2024
Page: 7
http://www.ajitsamachar.com/20241026/27/7/1_1.cms

भिवानी, शनिवार, 26 अक्टूबर 2024

समाज कार्य की गुणवत्ता में सुधार पर हुआ मंथन

जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए: प्रो. हवा सिंह

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। । वर्तमान भौतिकवादी दौर में दुनिया पैसे के पीछे भाग रही है, लेकिन हमें पैसे की बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। ये उद्गार कुरुक्षेत्र विवि के पूर्व कुलसचिव एवं समाजसेवी प्रो. हवा सिंह ने भगत फूल सिंह महिला विवि में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024 के दूसरे दिन बतौर विशिष्ट वक्ता व्यक्त किए।

अपने प्रभावशाली संबोधन में प्रो. हवा सिंह ने समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आह्वान किया कि स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था बनाने के लिए एक मां का शिक्षित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने परिवार को हमारी सामाजिक व्यवस्था का बेहतरीन विद्यालय बताया। महिला विवि के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में शुक्रवार को देशभर से आए समाज कार्य के विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण और अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार तथा इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विचार मंथन किया। इस दौरान हिंदुस्तान टाइम्स की वरिष्ठ संवाददाता इशिता सिंह राजपूत ने अपने संबोधन में एसटीईएम संकाय (साइंस, टेक्नॉलॉजी,इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) में महिला शिक्षकों की कम संख्या पर चिंता जाहिर करते हुए इसे बढ़ाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। डीयू के अदिति महाविद्यालय से डॉ. पुनिता गुप्ता ने सस्टेनेबल एंपावरमेंट एंड वेलबींग ऑफ वीमेन विषय पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में निमहंस बेंगलुरु से प्रो. आरती जगन्नाथन, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से प्रो. मोनिका मुंजाल सिंह, एमएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क नागपुर से प्रो. केशव वाल्के, राजगीरी कॉलेज ऑफ सोशल वर्क केरल से डॉ. अनीश, निमहंस बेंगलुरु से प्रो. एन.जनार्दन, नाडा इंडिया से सुनील वात्सायन, महाराष्ट्र से डॉ. पायल चमत्कार सहित अन्य विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी समाज कार्य क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। एनएपीएसडब्लयूआई के अध्यक्ष प्रो. आरपी द्विवेदी, एवं प्रो. संजय भट्ट ने सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभागाध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहनलाल, लूसी सहित प्रतिभागी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Play / Stop Audio

जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिएः प्रो. हवा सिंह

समाज कार्य की गुणवत्ता में सुधार पर हुआ मंथन।

Girish Saini Oct 25, 2024 09:59 0

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। वर्तमान भौतिकवादी दौर में दुनिया पैसे के पीछे भाग रही है, लेकिन हमें पैसे की बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। ये उद्गार कुरुक्षेत्र विवि के पूर्व कुलसचिव एवं समाजसेवी प्रो. हवा सिंह ने भगत फूल सिंह महिला विवि में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्क्रेंस-2024 के दूसरे दिन बतौर विशिष्ट वक्ता व्यक्त किए।

अपने प्रभावशाली संबोधन में प्रो. हवा सिंह ने समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आह्वान किया कि स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था बनाने के लिए एक मां का शिक्षित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने परिवार को हमारी सामाजिक व्यवस्था का बेहतरीन विद्यालय बताया।

महिला विवि के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कॉन्क्रेंस में शुक्रवार को देशभर से आए समाज कार्य के विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण और अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार तथा इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विचार मंथन किया।

इस दौरान हिंदुस्तान टाइम्स की वरिष्ठ संवाददाता इशिता सिंह राजपूत ने अपने संबोधन में एसटीईएम संकाय (साइंस, टेक्नोलॉजी,इंजीनियरिंग एंड मेथेमेटिक्स) में महिला शिक्षकों की कम संख्या पर चिंता जाहिर करते हुए इसे बढ़ाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। डीयू के अदिति महाविद्यालय से डॉ. पुनिता गुप्ता ने सस्टेनेबल एंपावरमेंट एंड वेलबींग ऑफ वीमेन विषय पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में निमहंस बेंगलुरु से प्रो. आरती जगन्नाथन, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से प्रो. मोनिका मुंजाल सिंह, एमएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क नागपुर से प्रो. केशव वाल्के, राजगीरी कॉलेज ऑफ सोशल वर्क केरल से डॉ. अनीश, निमहंस बेंगलुरु से प्रो. एन.जनार्दन, नाडा इंडिया से सुनील वात्सायन, महाराष्ट्र से डॉ. पायल चमकार सहित अन्य विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी समाज कार्य क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

एनएपीएसडब्लयूआई के अध्यक्ष प्रो. आरती द्विवेदी, एवं प्रो. संजय भट्ट ने सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहनलाल, लूसी सहित प्रतिभागी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: Moral values priority in life Prof. Hawa Singh

RELATED POSTS

हरियाणा विधानसभा : कुछ खट्टी, कुछ मीठी

विद्यार्थियों ने जानी लेदर प्रोउक्शन, प्रबंधन व विपणन की...

स्कूली विद्यार्थियों के लिए अवेयरनेस कम ट्रेनिंग वर्कशॉप...

COMMENTS

Name

Name

Email

Email

Comment

Comment

I'm not a robot reCAPTCHA Privacy - Terms

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

FICO signs MOU with Havells India Ltd for installing 10...

CM bats for incentives for industry of Punjab at par with...

Shivam Saini Wins Prestigious B R Chowdhri Gold Medal at...

Viren plots Pushpa's death in Sony SAB's 'Pushpa Impossible'

आकांक्षा और रूपल बने सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी समन्वयक

FOLLOW US

Facebook X (Twitter)

Linkedin Youtube

Email

RECOMMENDED POSTS

FairPoint: An Indian gets a RAW mask that US wants

The Third Eye: National security is a multi-dimensional...

Gurdas Maan: Punjabi music will never lose its connection...

Can video games help relieve post-traumatic stress symptoms?

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था के लिए मां का शिक्षित होना अनिवार्य

महिला विश्वविद्यालय में 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस 2024 का दूसरा दिन

गोहाना मुद्रिका न्यूज, 25 अक्तूबर :

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस 2024 के दसरे दिन देशभर से आए समाज कार्य के विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण और अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार तथा इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विचार मंथन किया।

शुक्रवार को सम्मेलन में बतौर विशिष्ट वक्ता, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. हवा सिंह ने शिरकत की। उन्होंने समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी दौर में दुनिया पैसे के पीछे भाग रही है, लेकिन हमें पैसे की बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था बनाने के लिए एक मां का शिक्षित होना अनिवार्य है। प्रो. हवा सिंह ने परिवार को हमारी सामाजिक व्यवस्था का बेहतरीन विद्यालय बताया।

विशिष्ट वक्ता इशिता सिंह राजपूत ने में एस.टी.ई.एम. संकाय (साइंस, टेक्नॉलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) में महिला शिक्षकों की कम संख्या पर चिंता जाहिर की और इस संख्या को बढ़ाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय से डॉ. पुनीता गुप्ता ने सस्टेनेबल एंपावरमेंट एंड वेलबींग ऑफ वीमेन विषय पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में निमहंस बेंगलुरु से प्रो. आरती जगन्नाथन और प्रो. एन.जनार्दन पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से प्रो. मोनिका मुंजाल सिंह, एम.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क नागपुर से प्रो. केशव वाल्के, राजगीरी कॉलेज ऑफ सोशल वर्क केरल से डॉ. अनीश, नाडा इंडिया से सुनील वात्स्यायन महाराष्ट्र से डॉ. पायल चमत्कार ने विभिन्न पहलुओं पर अपने व्यक्त किए।

एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई. के अध्यक्ष प्रो. आर.पी. द्विवेदी, एवं प्रो. संजय भट्ट ने सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहनलाल, लूसी सहित प्रतिभागी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
SAT,26 OCTOBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था के लिए मां का शिक्षित होना अनिवार्य: प्रो. हवा सिंह

महिला विश्वविद्यालय द्वारा भेंट किए गए स्मृति चिन्हों के साथ अतिथिगण। (अरोड़ा)

महिला विश्वविद्यालय में 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस 2024 का दूसरा दिन

गोहाना, 25 अक्तूबर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा नैशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफैशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन. ए. पी. एस. डब्ल्यू. आई.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रैंस 2024 के दूसरे दिन देशभर से आए समाज कार्य के विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण और अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार तथा इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विचार मंथन किया।

शुक्रवार को सम्मेलन में बतौर विशिष्ट वक्ता, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. हवा सिंह ने शिरकत की।

उन्होंने समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी दौर में दुनिया पैसे के पीछे भाग रही है, लेकिन हमें पैसे की बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने आह्वान किया कि स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था बनाने के लिए एक मां का शिक्षित होना अनिवार्य है। प्रो. हवा सिंह ने परिवार को हमारी सामाजिक व्यवस्था का बेहतरीन विद्यालय बताया।

महिला शिक्षकों की कम संख्या पर जाहिर की चिंता

विशिष्ट वक्ता इशिता सिंह राजपूत ने में एस.टी.ई.एम. संकाय (साइंस, टैक्नॉलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमैटिक्स) में महिला शिक्षकों की कम संख्या पर चिंता जाहिर की और इस संख्या को बढ़ाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय से डॉ. पुनीता गुप्ता ने सस्टेनेबल एम्पावरमैंट एंड वैल बींग ऑफ वुमन विषय पर अपने विचार सांझा किए।

सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में निमहंस बेंगलुरु से प्रो. आरती जगन्नाथन और प्रो. एन. जनार्दन पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से प्रो. मोनिका मुंजाल सिंह, एम.एस.एस. इंस्टीचूयूट ऑफ सोशल वर्क नागपुर से प्रो. केशव वाल्के, राजगीरी कॉलेज ऑफ सोशल वर्क केरल से डॉ. अनीश, नाडा इंडिया से सुनील वात्स्यायन महाराष्ट्र से डॉ. पायल चमत्कार ने विभिन्न पहलुओं पर अपने व्यक्त किए।

एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई. के अध्यक्ष प्रो. आर.पी. द्विवेदी एवं प्रो. संजय भट्ट ने सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहनलाल, लूसी सहित प्रतिभागी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

युवा महोत्सव का समापन • 3 दिन 10 कॉलेजों की 550 छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया

देवीलाल कॉलेज मुरथल को 7 अंक से हराकर इंस्टीट्यूट हायर लर्निंग खानपुर ने जीती ट्रॉफी

भास्कर न्यूज | राई

ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल में आयोजित युवा महोत्सव यूनिफेस्ट -2024 का रंगारंग समापन हो गया। भगत फूलसिंह महिला यूनिवर्सिटी के अंतर्गत 10 कॉलेजों की 550 छात्राओं ने इस महोत्सव में हिस्सा लिया। यूथ फेस्टिवल में ताऊ देवीलाल राजकीय महिला कॉलेज मुरथल को 7 अंक से हराकर इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग खानपुर की छात्राओं ने जीती आल ओवर ट्राफी जीती। मुख्य अतिथि ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया।

राई. युवा महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं।

ताऊ देवीलाल राजकीय महिला कॉलेज मुरथल में तीन दिन तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। विभिन्न कालेजों से पहुंची छात्राओं ने अपनी कला का परिचय दिया। हरियाणवी एकल नृत्य प्रतियोगिता में राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल की छात्रा सलोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्रुप डांस हरियाणवी में भी मुरथल महिला महाविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए यह साबित किया कि अगर हमें मौका मिलता है तो हम ग्रामीण परिवेश में पलते हुए भी सभी सुविधाओं से संपन्न विश्वविद्यालय की टीमों से अच्छा कर सकते हैं। इन प्रतियोगिताओं में द्वितीय स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय मतलौडा एवं तृतीय स्थान पर इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग भगत फूल सिंह विश्वविद्यालय खानपुर कला की टीम रही। ओवरऑल ट्रॉफी 7 अंक के मामूली मार्जिन से इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग खानपुर ने जीती। यहां इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग खानपुर की टीम को 74 अंक मिले व उपविजेता मुरथल महिला कॉलेज को 67 अंक मिले। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा ठाकरान एवं कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉ. सुनील पंवार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम में भाग लेने से छात्राओं को प्रोत्साहन मिलता है। महाविद्यालय परिवार एवं एजुकेशन सोसाइटी मुरथल की ओर से महाविद्यालय में पहुंचे सभी अतिथि गणों, निर्णायक मंडल एवं समस्त इंस्टिट्यूट से आए प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बीडीपीओ मुरथल अंकुर कुमार , सागर सैनी जी एक्टर एवं डायरेक्टर स्टार प्लस, डायरेक्टर यूथ एंड कल्चरल अफेयर एवं कंटिजेंट इंचार्ज इंस्टिट्यूट ऑफ़ हायर लर्निंग भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय ने विजेता छात्राओं को सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. सीमा ठाकरान ने कहा कि ग्रामीण आंचल की छात्राओं ने बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिस प्रकार से यूथ फेस्टिवल मुरथल के महिला कालेज को मिला था। उसी प्रकार से कालेज की बेटियों ने यूथ महोत्सव में इनाम जीतकर यह साबित कर दिया कि ग्रामीण बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नही है। यदि उन्हें समय पर सुविधाएं व माहौल मिले तो वे शहर के कालेजों को पछाड़ने का दम रखती हैं।

भौतिकवादी दौर में पैसे की बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को देनी चाहिए प्राथमिकता : प्रो. हवा सिंह

गोहाना | कुरुक्षेत्र विवि के पूर्व कुलसचिव एवं समाजसेवी प्रो. हवा सिंह ने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी दौर में दुनिया पैसे के पीछे भाग रही है, लेकिन हमें पैसे की बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उनके अनुसार समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता है। वे बीपीएस महिला विवि के समाज कार्य विभाग और नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस 2024 के दूसरे दिन बतौर विशिष्ट वक्ता संबोधित कर रहे थे।

नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए : प्रो. हवा सिंह

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग व नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण और अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार, शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने पर मंथन किया।

विशिष्ट वक्ता, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रो. हवा सिंह ने कहा कि समाधान से पहले सामाजिक समस्याओं की जड़ को समझने की आवश्यकता है। वर्तमान के भौतिकवादी दौर में दुनिया पैसे के पीछे भाग रही है, लेकिन हमें पैसे के बजाय जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। ईशिता सिंह ने एसटीईएम संकाय में महिला शिक्षकों की कम संख्या पर चिंता जाहिर की और इस संख्या को बढ़ाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय से डॉ. पुनिता गुप्ता ने सस्टेनेबल एंपावरमेंट एंड वेलबींग ऑफ वीमेन विषय पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में प्रो. आरती जगन्नाथन, प्रो. मोनिका मुंजाल सिंह, प्रो. केशव वाल्के, डॉ. अनीश, प्रो. एन.जनार्दन, सुनील वात्सायन, डॉ. पायल ने भी समाज कार्य क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए। इस अवसर पर आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, सोहनलाल, लूसी उपस्थित रहे।

हरियाणवी एकल नृत्य में सलोनी ने परचम लहराया

युवा महोत्सव यूनिफेस्ट-2024 की इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनीपत। युवा महोत्सव यूनिफेस्ट-2024 की ओवरऑल ट्रॉफी इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां ने जीती, जबकि हरियाणा समूह नृत्य की विजेता बनी ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल की टीम रनर अप रही।

हरियाणवी एकल नृत्य में भी महाविद्यालय की छात्रा सलोनी ने प्रथम स्थान हासिल कर यह साबित कर दिया है कि मौका मिलने पर वह ग्रामीण परिवेश में पलते हुए भी साधन संपन्न महाविद्यालयों की टीमों को भी मात दे सकती हैं।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के तत्वावधान में गांव मुरथल स्थित ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित युवा महोत्सव का रंगारंग समापन किया गया।

ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित युवा महोत्सव में हरियाणवी नृत्य की शानदार प्रस्तुति देती छात्राएं। संवाद

प्राचार्य डॉ. सीमा ठाकरान व कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुनील पंवार ने विजेताओं व प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बीडीपीओ मुरथल अंकुर कुमार, अभिनेता एवं निर्देशक सागर सैनी सहित पहुंचे। उन्होंने विजेता रही टीमों को पुरस्कृत किया।

अनुवाद प्रतियोगिता में मानवी रही अव्वल

गोहाना। राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने यूनिफेस्ट में बेहतर प्रदर्शन किया। अनुवाद प्रतियोगिता में मानवी ने प्रथम, अंग्रेजी वाद-विवाद में मानवी व मेघा ने द्वितीय, हिंदी कविता में रश्मि ने द्वितीय, पंजाबी कविता में प्रियंका ने द्वितीय, उर्दू कविता में फरीन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत श्लोक में ममता ने तृतीय, सर्वश्रेष्ठ स्पीकर में मानवी ने तृतीय, कार्टूनिंग में जिया ने प्रथम, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में मनशावी ने द्वितीय, ऑन द स्पोट चित्रकला में रिया ने द्वितीय, भजन में रश्मि ने द्वितीय, हरियाणवी समूह नृत्य में निशा, प्रियंका, निधि, कामना, रश्मि, किरण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शुक्रवार को स्कूल पहुंचने पर प्राचार्य शमशेर हुड्डा व उप-प्राचार्य सतीश कुमार ने विजेता छात्राओं को स्वागत किया। संवाद